॥ ज्ञानानन्दरत्नाकर ॥

जैनमत सम्बन्धी लावनी
छन्दों का खजाना

जिसको
मुन्शी नाथुराम लमेचू ने बनाई
और
दोनों भागोंकी लावनी एकत्रकर वे
कुछ नवीन बनाकर सम्पूर्ण को
इस पुस्तक में संग्रहकर
बम्बई

टैप में लाला भगवानदास जैन के
जैनप्रेस लखनऊ में शुद्धता
पूर्वक मुद्रित कराया
सन् १९०२ ई०

प्रथमबार १००० मूल्य ।)

ग्रंथकर्त्ता के सिवाय कोई छपानेका अधिकारी नहीं है